CMYK

डाक पंजीयन क्रमांक - म.प्र./भोपाल/4-357/2024-26

मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967

किसान कल्याण वर्ष-2026
समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश

मध्यप्रदेश सहकारी समाचार

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल का प्रकाशन

Website : www.mpscu.in
E-mail : rajyasanghbpl@yahoo.co.in

हिन्दी/पाक्षिक
प्रकाशन दिनांक 1 अगस्त, 2026, डिस्पेच दिनांक 1 अगस्त, 2026

| वर्ष 70 | अंक 05 | भोपाल | 1 अगस्त, 2026 | पृष्ठ 12 | एक प्रति 7 रु. | वार्षिक शुल्क 150/- | आजीवन शुल्क 1500/- |

कोलकाता में अमूल बंगाल डेयरी परियोजना के अंतर्गत विश्व के सबसे बड़े दही उत्पादन संयंत्र का भूमि पूजन किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में समृद्ध, सुरक्षित, शिक्षित और संस्कारित 'सोनार बांग्ला' का संकल्प धरातल पर उतारा जा रहा है

दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'सहकार से समृद्धि' के विजन और 'श्वेत क्रांति 2.0' के लक्ष्य को आगे बढ़ाते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कोलकाता के न्यू टाउन कन्वेंशन सेंटर में आयोजित समारोह में अमूल बंगाल डेयरी परियोजना के अंतर्गत विश्व के सबसे बड़े दही उत्पादन संयंत्र का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री श्री सुवेंदु अधिकारी, गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष श्री शंकरभाई चौधरी, पश्चिम बंगाल के सहकारिता मंत्री श्री स्वपन दासगुप्ता, राज्य के वित्त मंत्री श्री तापस रॉय, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री डॉ. कल्याण चक्रवर्ती, खाद्य प्रसंस्करण एवं उद्यानिकी मंत्री श्री शरद्रत मुखर्जी, पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार अग्रवाल और अमूल डेयरी के अध्यक्ष श्री अशोक चौधरी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति तथा सहकारी क्षेत्र के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि बंगाल विधानसभा चुनाव में विजय के बाद वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की ओर से मिष्टी दही के साथ बंगालवासियों का मुँह मीठा कराने के लिए आए हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता ने जो परिवर्तन किया है, वह आजादी के बाद राज्य में हुए सभी विधानसभा चुनावों से अलग और ऐतिहासिक परिवर्तन है।

श्री अमित शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल एक ऐसा राज्य रहा है, जिसने देश के लगभग प्रत्येक क्षेत्र को प्रेरणा दी है। शिक्षा के क्षेत्र में पश्चिम बंगाल कई दशकों तक पूरे देश से आगे रहा। आजादी की लड़ाई में भी बंगाल ने एक से बढ़कर एक सेनानी दिए। धर्म, भक्ति और संकीर्तन के क्षेत्र में चैतन्य महाप्रभु, स्वामी विवेकानंद, रामकृष्ण परमहंस और महर्षि अरविंद ने अद्भुत परंपरा स्थापित की। देशभक्ति और समर्पण की बात आती है तो नेताजी सुभाषचंद्र बोस और खुदीराम बोस जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों के माध्यम से बंगाल ने बलिदान देने में कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि इसी बंगाल में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर को विश्व स्तर पर सम्मान मिला, आचार्य जगदीश चंद्र बोस ने महान वैज्ञानिक उपलब्धियाँ हासिल कीं और बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने 'आनंदमठ' में 'वंदे मातरम्' की रचना करके सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से यह बंगाल लंबे समय तक विदेशी विचारधारा से प्रभावित रहा और उससे मुक्त होने के बाद विचारधारा-विहीनता, भ्रष्टाचार तथा अपराध के चंगुल में फँस गया। इसके कारण गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा देखा गया 'सोनार बांग्ला' का सपना धीरे-धीरे धूमिल होता चला गया।

श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अपील और दस वर्षों के संघर्ष के बाद, वर्ष 2016 से 2026 तक की यात्रा के पश्चात, श्री सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में 'सोनार बांग्ला' का आंदोलन एक बार फिर पुनर्जीवित हुआ है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की जनता को भरोसा दिलाया कि जनता से किए गए प्रत्येक वादे और 'सोनार बांग्ला' के जिस संकल्प को सामने रखा गया था, उसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में धरातल पर उतारने का कार्य प्रारंभ हो चुका है। यह संकल्प एक समृद्ध, शिक्षित, सुरक्षित और संस्कारित पश्चिम बंगाल के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगा।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि आज का दिन पश्चिम बंगाल के किसानों और पशुपालकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। अमूल ने यहाँ विश्व के सबसे बड़े दही उत्पादन संयंत्र का भूमि पूजन किया है। परियोजना के प्रथम चरण में प्रतिदिन 10 लाख लीटर दूध का प्रसंस्करण किया जाएगा और लगभग 1 लाख 20 हजार छोटे दुग्ध उत्पादकों एवं पशुपालकों को इसका लाभ मिलेगा।

श्री अमित शाह ने कहा कि उन्होंने पूर्व में भी राज्य के मुख्यमंत्री से आग्रह किया था कि यदि अमूल को 15-15 एकड़ के दो भूखंड उपलब्ध करा दिए जाएँ, तो पूरे पूर्वी भारत के दुग्ध उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन की व्यवस्था पश्चिम बंगाल से संचालित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि पहले इस प्रस्ताव को यह कहकर अस्वीकार कर दिया जाता था कि गुजरात को पश्चिम बंगाल में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा, जबकि यह परियोजना गुजरात के लिए नहीं, बल्कि पश्चिम बंगाल के पशुपालकों और दुग्ध उत्पादकों के कल्याण के लिए थी।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि अब राज्य में परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उनके आग्रह पर मुख्यमंत्री श्री सुवेंदु अधिकारी ने अमूल फेडरेशन को 30 एकड़ भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। इस निर्णय से पश्चिम बंगाल में लगभग 100 बड़े निवेशों के आगमन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे लगभग ढाई लाख पशुपालकों को उनके दूध का अधिकतम मूल्य दिलाने में सहायता मिलेगी।

श्री अमित शाह ने विश्वास व्यक्त किया कि कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से बंगाल तक अमूल बंगाल डेयरी परियोजना में बनने वाला मिष्टी दही घर-घर में खाया जाएगा और देशभर के लोग पश्चिम बंगाल को अपना आशीर्वाद देंगे। उन्होंने कहा कि सहकारिता आंदोलन में देश के लोगों को संगठित करने, उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और समृद्धि से जोड़ने की अपार क्षमता है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने अमूल का उदाहरण देते हुए कहा कि इतने बड़े स्तर पर कार्य कर रही अमूल आज विश्व की नंबर-1 सहकारी संस्था बन चुकी है। अमूल के साथ 36 लाख महिलाएँ जुड़ी हुई हैं। उन्होंने कहा कि यह सहकारिता की शक्ति और उसकी आर्थिक क्षमता का सबसे बड़ा उदाहरण है। श्री अमित शाह ने कहा कि आज 18,600 से अधिक ग्रामीण दुग्ध सहकारी समितियाँ अमूल के साथ जुड़ी हुई हैं और देश के लगभग प्रत्येक राज्य में अमूल के उत्पाद पहुँच रहे हैं। उन्होंने अमूल के उत्पादों का उपयोग करने वाले प्रत्येक नागरिक से कहा कि जब कोई उपभोक्ता अमूल के उत्पादों पर 100 रुपये खर्च करता है, तो उसमें से लगभग 87 रुपये सीधे किसान और पशुपालक के पास पहुँचते हैं।

उन्होंने कहा कि यह पैसा किसी उद्योगपति अथवा बड़े कारोबारी के पास नहीं जाता। अमूल के कुल कारोबार का लगभग 87 प्रतिशत हिस्सा पूरी पारदर्शिता के साथ सीधे पशुपालकों के बैंक खातों में जमा होता है। यही सहकारिता का वास्तविक मॉडल है, जिसमें उत्पादन करने वाले व्यक्ति को ही व्यवसाय का सर्वाधिक लाभ प्राप्त होता है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री श्री सुवेंदु अधिकारी से अमूल और सहकारी डेयरी क्षेत्र के विस्तार के लिए अतिरिक्त भूमि उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। भारत सरकार की ओर से पश्चिम बंगाल में पशुओं की नस्ल सुधार के लिए एक बड़ा केंद्र स्थापित किया जाएगा। इससे दुग्ध उत्पादकों को अधिक दूध देने वाली उन्नत नस्लों के पशु उपलब्ध हो सकेंगे। इसके साथ ही राज्य में Sex-Sorted Semen की व्यवस्था भी की जाएगी, जिससे दुधारू पशुओं की संख्या बढ़ाने और डेयरी उत्पादकता में सुधार करने में सहायता मिलेगी।

श्री अमित शाह ने कहा कि सहकारिता आंदोलन के माध्यम से बंगाल के किसानों को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से उन्होंने मुख्यमंत्री श्री सुवेंदु अधिकारी को एक पत्र लिखा था। मुख्यमंत्री की कार्य करने की गति देखकर वे स्वयं भी आश्चर्यचकित रह गए। उनका ई-मेल शाम को पहुँचा और उसी दिन रात नौ बजे तक पश्चिम बंगाल सरकार ने एक Liaison Officer नियुक्त करके उत्तर भेज दिया कि यह अधिकारी सहकारिता मंत्रालय के साथ समन्वय करेगा।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किसानों के कल्याण से जुड़ी 70 से अधिक योजनाओं का दायित्व सहकारिता मंत्रालय को सौंपा है। मुख्यमंत्री श्री सुवेंदु अधिकारी द्वारा बनाई गई प्रभावी समन्वय व्यवस्था के कारण इन सभी योजनाओं का लाभ अगले छह महीने के भीतर पश्चिम बंगाल के किसानों तक पहुँचाया जाएगा। श्री अमित शाह ने कहा कि आज राज्य के सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार कार्यालय का पूर्ण कंप्यूटरीकरण भी किया गया है। यह कार्य लंबे समय से लंबित था, लेकिन नई सरकार ने इसे केवल नौ सप्ताह में पूरा कर दिया। अब सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि अपने मोबाइल फोन के माध्यम से ही रजिस्ट्रार कार्यालय की सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। इससे सहकारी क्षेत्र के कामकाज में पारदर्शिता, जवाबदेही, दक्षता और गति बढ़ेगी।

CMYK

राज्य स्तरीय बलराम कृषि महोत्सव का शुभारंभ, किसान कल्याण वर्ष के लिए 16 विभागों का संयुक्त अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर से किया राज्य स्तरीय बलराम कृषि महोत्सव का शुभारंभ

प्रदेश के सभी 55 जिलों में आगामी 13 नवम्बर तक होंगे अनेक आयोजन और होंगी खेती-किसानी पर आधारित गतिविधियां

किसान कल्याण वर्ष के तहत प्रदेशव्यापी अभियान में 16 विभागों के समन्वय से किसानों की आय बढ़ाने का रोडमैप तैयार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खेती के हित और किसानों के कल्याण के लिये की अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर से राज्य स्तरीय बलराम कृषि महोत्सव का शुभारंभ करते हुए वर्ष 2026 को "किसान कल्याण वर्ष" के रूप में किसानों को समर्पित बताया। उन्होंने कहा कि कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता, एमएसएमई, ऊर्जा, राजस्व सहित 16 विभागों के समन्वय से किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को लाभकारी बनाने के लिए प्रदेशव्यापी अभियान प्रारंभ किया गया है। यह महोत्सव आगामी 13 नवंबर तक प्रदेश के सभी 55 जिलों में विभिन्न कृषि आधारित गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के माध्यम से आयोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार खेती को केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि "खेत से कारखाने और कारखाने से बाजार" तक संपूर्ण कृषि अर्थव्यवस्था विकसित करने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में फूड प्रोसेसिंग, कृषि आधारित उद्योग, डेयरी एवं मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देकर किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर कृषि ऋण, दिन में कृषि बिजली, आधुनिक सिंचाई सुविधाएं तथा बेहतर विपणन व्यवस्था उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने 40 लाख रुपये तक की डेयरी इकाई स्थापना पर 10 लाख रुपये अनुदान, किसानों को दिन में कृषि बिजली उपलब्ध कराने, इंदौर में आधुनिक कृषि उपज मंडी विकसित करने, कृषि आधारित उद्योगों के विस्तार तथा फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले वन्य पशुओं के प्रबंधन के लिए विशेष योजना लागू करने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के सहयोग से किसानों को दूध के बेहतर मूल्य मिल रहे हैं तथा प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। बलराम कृषि महोत्सव में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता, ऊर्जा, एमएसएमई सहित विभिन्न विभागों द्वारा आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, प्राकृतिक खेती, कृषि यंत्रीकरण, ड्रोन तकनीक, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि ऋण, बीमा, विपणन एवं मूल्य संवर्धन से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उत्कृष्ट किसानों, कृषक परिवारों के मेधावी विद्यार्थियों एवं खेती-किसानी के क्षेत्र में सकारात्मक योगदान देने वाले सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को सम्मानित भी किया।

किसानों को 90 प्रतिशत अनुदान पर दिए जा रहे हैं सिंचाई सोलर पंप

भोपाल। किसानों को अब सिंचाई के लिए बिजली का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। बिना कनेक्शन लिए और बिना बिल भरे सिंचाई की सुविधा मिलेगी। किसानों को प्रधानमंत्री किसान सूर्य मित्र योजना से 90 प्रतिशत अनुदान पर सोलर सिंचाई पंप से सिंचाई की सुविधा दी जा रही है। इस योजना के माध्यम से उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली मिलने के साथ पर्यावरण संरक्षण भी होगा। ताप विद्युत केन्द्रों से बिजली उत्पादन के लिए भारी मात्रा में कोयले का दहन किया जाता है जो पर्यावरण के प्रतिकूल है। सोलर पैनल पूरी तरह से नि:शुल्क तथा पर्यावरण के अनुकूल है। इस संबंध में अधीक्षण यंत्री अक्षय ऊर्जा ने बताया कि इस योजना से किसानों को एक से लेकर 7.5 हार्सपावर सिंचाई के पंप के लिए सोलर पैनल की सुविधा दी जा रही है। किसानों को इस योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। योजना का लाभ उठाने के लिए ऊर्जा विकास निगम कार्यालय कलेक्ट्रेट रीवा से संपर्क किया जा सकता है।

पीएम किसान सूर्य मित्र योजना से एक हार्सपावर के सोलर पंप के लिए कुल एक लाख 33 हजार 887 रुपए की लागत है। किसान केवल 10 प्रतिशत राशि यानी 13 हजार 713 रुपए देकर सोलर सिंचाई पंप लगवा सकते है। इसी तरह दो हार्सपावर के लिए एक लाख 51 हजार 982 रुपए है। किसान 15 हजार 575 रुपए देकर दो हार्सपावर का सोलर सिंचाई पंप लगा सकते हैं। योजना से तीन हार्सपावर के लिए 2 लाख 4 हजार 447 रुपए की कुल लागत है। किसान 20 हजार 968 रुपए अंशदान देकर यह पंप लगवा सकते हैं। इसी तरह पाँच हार्सपावर के लिए कुल लागत 2 लाख 95 हजार 86 रुपए है। किसान केवल 30 हजार 289 रुपए देकर सोलर पंप लगवा सकते हैं। सिंचाई के लिए 7.5 हार्सपावर के पंप की लागत 4 लाख 4 हजार 475 रुपए है। किसान केवल 41 हजार 537 रुपए देकर यह पंप लगवा सकते हैं। सोलर पंप से सिंचाई करने पर लगभग तीन साल में ही कुल लागत के बराबर बिजली नि:शुल्क प्राप्त हो जाती है। किसान अपनी सुविधा से जब चाहे तब सोलर सिंचाई पंप चलाकर फसल की सिंचाई कर सकते हैं। इससे पर्यावरण की रक्षा के साथ-साथ बिना बिल दिए लगातार बिजली मिलती है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना : परसवाड़ा में हुआ फसल बीमा पाठशाला का आयोजन

भोपाल। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ की फसलों का बीमा कराने के लिये किसानों को जागरूक करने के उद्देश्य से जबलपुर विकासखंड के ग्राम परसवाड़ा में "फसल बीमा पाठशाला" का आयोजन राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) तथा मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक के द्वारा किया गया।

पाठशाला में किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के उद्देश्य, लाभ, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, प्रीमियम भुगतान तथा फसल क्षति होने की स्थिति में दावा की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही किसानों से समय पर फसल बीमा कराने और योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की गई।मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक की वरिष्ठ प्रबंधक श्रीमती वर्षिता मोदी, नाबार्ड से सुश्री देविका मेहरोत्रा, एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया के तहसील प्रतिनिधि रोहन बैरागी एवं पवन यादव सहित अन्य अधिकारी फसल बीमा पाठशाला में उपस्थित थे।

पाठशाला में बताया गया कि ऋणी किसानों के लिए फसल बीमा हेतु आधार कार्ड, बैंक पासबुक की छायाप्रति, खसरा-खतौनी की प्रति तथा बुआई प्रमाण पत्र जैसे आवश्यक दस्तावेज जरूरी हैं।योजना के तहत धान सिंचित 358 प्रति एकड़, धान असिंचित 252 प्रति एकड़, मक्का 248 प्रति एकड़ एवं उड़द 231 प्रति एकड़ की प्रीमियम तय की गई है।

कृष्णा मर्केन्टाईल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, भोपाल
स्थिति विवरण पत्रक 31.03.2026

ओपनिंग बेलेन्स 01/04/2025	पूंजी एवं देनदारियां	राशि रू.(क्रेडिट)	क्लोजिंग बेलेन्स 31 / 03 / 2026
	1.अंशपूंजी		10950380.00
	अधिकृत अंशपूंजी		
	(1,00,00,000)		
10381005.00	भुगतानयोग्य अंशपूंजी	10940205.00	
10175.00	नाममात्र सदस्यता फीस	10175.00	
	2.रक्षित एवं अन्य निधियां		68154127.88
31301198.06	रक्षित निधि	33354292.17	
6824872.67	भवन निधि	6824872.67	
8424266.21	बी.बी.डी. रिजर्व फण्ड (एन.पी.ए.)	7924266.21	
5310000.00	प्रावधान स्टेण्र्डड ऐसेट्स	4810000.00	
2902280.00	प्रावधान सब–स्टेण्र्डड ऐसेट्स	2402280.00	
2852000.00	इन्वेशटमेन्ट प्लेगश्चुऐशन रिजर्व	2852000.00	
7902055.00	ओव्हर ड्यु ब्याज रक्षित	9364578.00	
621838.83	डिविडेन्ड इक्वीलाइजेशन फण्ड	621838.83	
	3.अमानते एवं अन्य खातें		150768227.02
23709392.59	चालू खातें	37387664.66	
410177.97	सन्ड्री डिपाजिट	410177.97	
330638.61	क्रेडिट बेलेन्स इन सी.सी.लिमिट	918646.41	
ओपनिंग बेलेन्स 01/04/2025	पूंजी एवं देनदारियां	राशि रू.(क्रेडिट)	क्लोजिंग बेलेन्स 31 / 03 / 2026
24397.68	क्रेडिट बेलेन्स इन ओ.डी. विरूद्ध सिक्युरिटी	0.00	
1335198.56	इनऑपरेटिव चालू खाता जमा	1401671.70	
3070009.42	सेविंग्स सोसायटी	9458399.87	
95830191.29	बचत खाता	93749994.96	
7388916.88	इनऑपरेटिव बचत खाता जमा	7441671.45	
0.00	डेफ खाते	0.00	
	सावधि एवं अन्य जमा		131695033.38
4962988.00	मासिक आय योजना	5560344.00	
29116675.38	फिक्सड डिपाजिट	12323545.38	
101502516.00	डबल डिपाजिट	111119980.00	
2262600.00	आर्वती जमा	2691164.00	
	4. अन्य देनदारियां		4765552.00
194435.00	टी.डी.एस खाता	187090.00	
3191161.00	डिविडेन्ट पेएबल	4578462.00	
	5. बैंक ग्यारंटी (कान्ट्रा)		7971046.00
7971046.00	बैंक ग्यारंटी (कान्ट्रा)	7971046.00	
	6. अन्य मांग देनदारियां		4689245.95
4453996.17	पेमेन्ट आर्डर	1464098.17	
120000.00	मिसलेनियस प्रावधान	270000.00	
1666130.00	प्राविजन फार दैनिक जमा खात	1666130.00	
300000.00	ग्रेजुऐटी के लिये प्रावधान	0.00	
ओपनिंग बेलेन्स 01/04/2025	पूंजी एवं देनदारियां	राशि रू.(क्रेडिट)	क्लोजिंग बेलेन्स 31 / 03 / 2026
1307806.50	ऐक्सिस बैंक डी.डी.पेएबल	1289017.78	
	7.देने योग्य ब्याज (सावधि जमा एवं अन्य जमाओ का प्रावधान		3386241.58
2711940.58	एक्यु. ईन्ट्रेस्ट पेयेबल अकाउन्ट	2850482.58	
461294.00	सावधि जमाओं पर भुगतान योग्य ब्याज	461294.00	

ओपनिंग बेलेन्स 01/04/2025	पूंजी एवं देनदारियां	राशि रू.(क्रेडिट)	क्लोजिंग बेलेन्स 31/03/2026
77700.00	मासिक सावधि जमाओं पर भुगतान योग्य ब्याज	74465.00	
	8. शुद्ध लाभ खातें		
	आय एवं व्यय		3734751.69
1801340.11	शुद्ध लाभ –2022–2023	0.00	
2206608.80	शुद्ध लाभ –2023–2024	2206608.80	
3809897.89	शुद्ध लाभ –2024–2025	1528142.89	
	9. अन्य टेक्स		5910064.94
87753.50	एस.जी.एस.टी.	8146.21	
87843.50	सी.जी.एस.टी.	8146.21	
46.80	आई.जी.एस.टी.	13.50	
109403.60	टी.डी.एस खाता केश भुगतान	9748.62	
805000.00	प्राविजन फार बैंक रिकन्सीलियेसन डिफरेंस	1178000.00	
0.00	शुद्ध लाभ –2025–2026	4706010.40	
377836796.60	**Total**	**392024670.44**	**392024670.44**

जोशी महाजन एण्ड कंपनी	बी.के. खरे	(S.S.Yadav)	सोहन सिंह
चार्टड एकाउन्टेट्स	मुख्यकार्यपालन अधिकारी	संचालक	अध्यक्ष

कृष्णा मर्केन्टाईल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, भोपाल
स्थिति विवरण पत्रक 31.03.2026

ओपनिंग बेलेन्स 01/04/2025	पूंजी एवं लेनदारियां	रकम (डेबिट)	क्लोजिंग बेलेन्स 31/03/2026
	1. नगदी सिलक		6144117.00
6966626.00	नगदी सिलक	6144117.00	
	2. बैंको के चालू खातों के बेलेन्स		33632568.17
20800000.00	भारतीय रिजर्व बैंक	800000.00	
1657547.18	आई.डी.बी.आई. बैंक	469750.00	
34149.90	भारतीय स्टेट बैंक एम.पी.नगर शाखा	34149.90	
450856.75	केनरा बैंक एम.पी.नगर शाखा	39074.75	
1077219.35	एक्सीस बैंक (न्यु)	425108.35	
6024839.17	आई.डी.बी.आई. बैंक सी.टी.एस. क्लीयरिंग	10030522.51	
7819822.31	एक्सीस बैंक आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी.	12184923.43	
20681.65	पंजाब नेशनल बैंक हबीबगंज शाखा	20681.65	
50132.43	आई.सी.आई.सी.आई बैंक	50132.43	
76655.00	इण्डसइंड बैंक	76655.00	
1135533.87	एक्सीस बैंक आईएमपीएस खाता	8354274.20	
622287.56	एक्सीस बैंक एटीएम खाता	258419.75	
986630.59	एक्सीस बैंक यूपीआई खाता	788876.20	
600000.00	आईडीएफसी फस्ट बैंक	100000.00	
	3. निवेश		36052715.00
ओपनिंग बेलेन्स 01/04/2025	**पूंजी एवं लेनदारियां**	**रकम (डेबिट)**	**क्लोजिंग बेलेन्स 31/03/2026**
	(अ) अन्य बैंकों में फिक्स्ड डिपाजिट		
3000000.00	आईडीबी आई बैंक	0.00	
8400000.00	एफ.डी.आर. केनरा बैंक	0.00	
5000000.00	एक्सीस बैंक	6000000.00	
4000000.00	सिटीयुनियन बैंक	4000000.00	
7500000.00	बैंक ऑफ इण्डिया	8055739.00	
5000000.00	आईडीएफसी फस्ट बैंक	5496976.00	
26812915.13	निपोन इंडिया म्युचल फण्ड	10000000.00	
0.00	युनियन म्युचल फण्ड	2500000.00	

ओपनिंग बेलेन्स 01/04/2025	पूंजी एवं लेनदारियां	रकम (डेबिट)	क्लोजिंग बेलेन्स 31/03/2026
	(स) आई.डी.बी.आई. सब–जन.लेजर खाते (शास.प्रतिभूति)		165177622.00
95209895.00	आई.डी.बी.आई. सब–जन.लेजर खाते	135513052.00	
38712510.00	आई.डी.बी.आई. सब–जन.लेजर खाते टी बिल	29664570.00	
	4.बैंक ग्यारंटी इश्यु		7971046.00
7971046.00	बैंक ग्यारंटी	7971046.00	
	5. ऋण तथा अग्रिम		130368417.45
752205.77	व्यक्तिगत ऋण	666291.61	
742204.00	एफ डी आर के विरूद्ध ऋण	3840422.18	
7219568.28	मध्यम अवधि ऋण	8733012.46	
4915776.69	नगद साख सीमा	2212832.01	
25011906.55	वाहन ऋण	32270093.64	
24517220.47	गृह ऋण	25965305.88	
570885.91	प्रतिभूति विरूद्ध अधिविकर्ष ऋण	529431.37	
ओपनिंग बेलेन्स 01/04/2025	**पूंजी एवं लेनदारियां**	**रकम (डेबिट)**	**क्लोजिंग बेलेन्स 31/03/2026**
8867491.38	संपत्ति के विरूद्ध ऋण	16479519.66	
31189131.46	संपत्ति के विरूद्ध अधिविकर्ष ऋण	26345342.38	
1751226.00	एजुकेशन ऋण	6518623.26	
6671561.00	दुकान ऋण	6807543.00	
	6. ऋणों पर ब्याज प्राप्य		9364578.00
53739.00	व्यक्तिगत ऋण पर ब्याज प्राप्य	61507.00	
1063.00	उपभोक्ता ऋण पर ब्याज प्राप्य	1063.00	
3481002.00	नगद साख सीमा पर ब्याज प्राप्य	4446338.00	
63631.00	वाहन ऋण पर ब्याज प्राप्य	63631.00	
3503.00	गृह ऋण पर ब्याज प्राप्य	806.00	
4299117.00	संपत्ति के विरूद्ध अधिविकर्ष ऋण पर ब्याज प्राप्य	4791233.00	
	7. अन्य बैंकों से साावधि जमा खातों पर ब्याज प्राप्य		2245984.00
854361.00	सावधि जमाओं पर ब्याज प्राप्य	364646.00	
1693129.00	सरकारी प्रतिभूतियों पर ब्याज प्राप्य	1881338.00	
	8. फर्नीचर एवं फिक्चर		972088.91
941857.10	डेड स्टॉक खाता	972088.91	
	9. अन्य लेनदारिया		
	अन्य आस्तियॉ		95533.91
ओपनिंग बेलेन्स 01/04/2025	**पूंजी एवं लेनदारियां**	**रकम (डेबिट)**	**क्लोजिंग बेलेन्स 31/03/2026**
30364.83	एस.जी.एस.टी. इनपुट केडिट	1601.33	
30239.92	सी.जी.एस.टी. इनपुट केडिट	1601.33	
115624.35	आई.जी.एस.टी.इनपुट केडिट	11619.75	
4078000.00	एमएसई पुर्नवित्त राशि	0.00	
52640.00	डेबिट कार्ड	59590.50	
0.00	डिफ खाता क्लेम योग्य	21121.00	
377836796.60	कुल योग	**392024670.44**	**392024670.44**

जोशी महाजन एण्ड कंपर्न
चार्टड एकाउन्टेट्स

बी.के. खरे
मुख्यकार्यपालन अधिकारी

(S.S.Yadav)
संचालक

सोहन सिंह
अध्यक्ष

कृष्णा मर्केन्टाईल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, भोपाल
लाभ-हानि पत्रक 31.03.2026

कं.	कुल व्यय	बेलेन्स 31/03/2026	कुल आय	बेलेन्स 31/03/2026
1	बीमा व्यय	122376.50	लॉकर किराया	114900.00
2	भवन किराया एवं करं	2446765.00	सावधि जमाओं अन्य बैंकों पर ब्याज प्राप्य	1979790.00
3	प्रोत्साहन खाता	184000.00	सरकारी प्रतिभूतियों पर ब्याज प्राप्य	10392987.89
4	बिजली शुल्क व्यय	141391.00	शेयर एन्ट्री एवं एप्लीकेशन फीस	9410.00
5	अखबार एवं पत्रिकाओं पर व्यय	8831.00	आकस्मिक आय	2142993.94
6	छपाई औरं स्टेशनरी व्यय	92215.00	ऋणों पर ब्याज प्राप्त	11299490.14
7	जलपान व्यय	150501.00	प्रोसेसिंग फीस (ऋण)	116750.00
8	विविध खर्चे	126282.49	एमएसएमई पर ब्याज प्राप्य	163300.00
9	डिप्रीशिएशन खाता	328105.69	म्युचअल फण्ड पर ब्याज प्राप्य	1468992.73
10	वाहन भत्ता व्यय	53547.00		
11	वार्षिक रखरखाव व्यय	797962.16		
12	लीगल फीस एडवोकेट व्यय	5000.00		
13	प्रचार –प्रसार पर व्यय	15250.00		
14	मरम्मत एवं नवीनीकरण	255063.00		
15	सतत अंकेक्षण फीस	258750.00		
16	एडवांस इन्कम टेक्स	1403880.00		
17	डी.आई.सी.जी.सी.प्रिमियम चार्ज	361917.68		
18	बैंक लाईसेन्स नवीनीकरण	11420.00		
19	इन्कम टेक्स पेड	0.00		
20	वार्षिक आमसभा खर्च	375793.00		

	कुल व्यय	बेलेन्स 31/03/2026	कुल आय	बेलेन्स 31/03/2026
21	आडिट फीस सर्वत्र	27250.00		
22	टेलीफोन एवं टेलेक्स खर्च	37362.88		
23	जल प्रबंधन व्यय	23640.00		
24	आडिट फीस फार रजिस्टार	30645.00		
25	बचत खातों पर ब्याज भुगतान	3803584.00		
26	सावधि जमाओं पर ब्याज भुगतान	8371126.00		
27	पोस्टैड एण्ड टेलीग्राम	1555.00		
28	वेतन एवं भत्ते	3274047.90		
29	सिक्युरिटी सर्विस कान्ट्रेक्ट पर भुगता	157500.00		
30	एमोटीजेसन ऑफ गर्वनमेंट सिक्युरिटी	116843.00		
31	शुद्ध लाभ वर्ष 2025–2026	4706010.40		
	कुल योग	**27688614.70**	कुल योग	**27688614.70**

जोशी महाजन एण्ड कंपनी
चाटर्ड एकाउन्टेंट्स

बी.के.खरे
मुख्यकार्यपालन अधिकारी

संचालक

सोहन सिंह
अध्यक्ष

कृष्णा मर्केन्टाईल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, भोपाल
अंकेक्षण प्रमाण-पत्र

मैं निम्न हस्ताक्षरकर्ता, अंकेक्षक प्रमाणित करता हूँ कि मैने कृष्णा मर्केन्टाईल को–ऑप. बैंक लि. भोपाल पंजीयन क्रं. 05/97 दिनांक 24/7/97 का वर्ष 2025–2026 को अंकेक्षण पंजीयक सहकारी समितियां मध्यप्रदेश द्वारा प्रस्तावित विधि से पूर्ण किया ।

बैंक का पंजीयन प्रमाण पत्र विधिवत सही है तथा बैंक में सुरक्षित है।

मेरे द्वारा कृष्णा मर्केन्टाईल को–ऑप. बैंक लि. भोपाल का दिनांक 31 मार्च 2026 को समाप्त होने लेखा वर्ष का स्थिति विवरण पत्रक तथा लाभ हानि पत्रक की जांच संबंधित लेखाओं से की गई ।

अतः मेरे द्वारा प्रस्तुत संस्था के अंकेक्षण प्रतिवेदन एवं साथ में संलग्न आक्षेपों तथा स्थिति विवरण पत्रक पर अंकित टीप के अधीन है।

1. मेरे मत से बैंक का व्यवसाय आमतौर से अच्छी तरह से विधिवत तथा ईमानदारी से व उपनियमों व प्रावधानों के अनुसार तथा सहकारी विधान की प्रचलित धाराओं, उसके अंतर्गत बनाये गये नियम, पंजीयक द्वारा समय–समय पर प्रसारित परिपत्रों एवं बैंकिंग रंग्यूलेशन एक्ट 1949 की आवश्यकता के अनुरूप किया गया है।
2. बैंक का स्थिति विवरण पत्रक पूर्णरूपसे स्पष्ट है एवं इसमें आवश्यक सभी जानकारियां जो कि बैंक के व्यवहार एवं स्थिति को दर्शाता है। जो जानकारी बैंक की स्थिति को दर्शाते है का समावेश किया गया है । मुझे जो जानकारी बैंक की स्थिति के संबंध में बतलाई गई तथा जो जानकारी अधिकोष के लेखा पत्रों खांतो में दर्शायी गई है वह सब इसमें परिलक्षित होती है।
3. मुझे अंकेक्षण के दौरान जिस जानकारी व स्पष्टीकरण की जब आवश्यकता हुई, समय–समय पर बैंक से प्राप्त हुई तथा मेरे संतोष के अनुसार है ।
4. अधिकोष के व्यवहार, जो मेरी जानकारी में आये वे सभी अधिकोष की कार्य सीमा में किये गये है। अधिकोष के लाभ हानि प्रत्रक प्रस्तुत टीप के अनुसार पाये गये ।
5. अंकेक्षण हेतु जो भी पत्रक एंव लेखा बैंक से बुलाये गये या प्राप्त किये गये सभी पूर्ण एंव पर्याप्त है ।
6. मेरे मत से अधिकोष का स्थिति विवरण एवं लाभ–हानि पत्रक टीप नियमों के अनुरूप बनाये गये है तथा हिसाब व खाते नियमों, उपनियमों का आवश्यकतानुसार रखे गये है, ऐसे सभी रखे गये रजिस्टर व खाता बहिया, जिनके आधार पर पत्रक तैयार किय गये है, की सूची बैंक में उपलब्ध है ।

अतः मैं अधिकोष को पंजीयक सहकारी समितियां, मध्यप्रदेश द्वारा प्रसारित निर्देशों में दी गई अंकेक्षण वर्गीकरण कसौटी पत्र के मानदंड के आधार पर मूल्यांकन करके वर्ष 2025–2026 के अंकेक्षण में बैंक को **'अ' वर्ग** में वर्गीकृत करता हूँ ।

स्थान – भोपाल
दिनांक 23/06/2026

(जोशी महाजन एण्ड कम्पनी)
चार्टड एकाउन्टेंट्स
कृष्णा मर्केन्टाईल को. ऑप. बैंक लि.,भोपाल

किसान संघों के प्रतिनिधियों के साथ कृषि संबंधी समस्याओं एवं समाधान पर बैठक आयोजित

भोपाल। जबलपुर जिले में किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं कृषि व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किसान संघों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान खाद, विद्युत आपूर्ति तथा नहरों के माध्यम से सिंचाई जल की उपलब्धता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर किसान प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव एवं समस्याएं रखीं। कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने किसानों से कृषि के साथ-साथ अन्य आयवर्धक गतिविधियों को अपनाने का भी आग्रह किया, जिससे उनकी आय में वृद्धि के साथ-साथ वर्षभर आय की निरंतरता बनी रहे।

बैठक में भारतीय किसान संघ के संभागीय उपाध्यक्ष श्री दामोदर पटेल, श्री मुकुल पचौरी, विभिन्न किसान संगठनों के पदाधिकारी एवं सदस्य तथा कृषि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत कृषि, बैंक, नाबार्ड एवं बीमा कंपनी अधिकारियों की बैठक आयोजित

भोपाल। कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन के निर्देशानुसार कार्यालय उपसंचालक कृषि के सभाकक्ष में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक किसानों का फसल बीमा कराने के उद्देश्य से कृषि, बैंक, नाबार्ड एवं बीमा कंपनी के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (AIC) भोपाल से प्रशासनिक अधिकारी श्री परिमल मनवर विशेष रूप से उपस्थित थे। मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए किसानों का अधिकाधिक फसल बीमा सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में वर्तमान तिथि तक बीमित ऋणी एवं अऋणी किसानों की बैंकवार एवं विकासखंडवार समीक्षा भी की गई।

इस दौरान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के संबंध में शासन से प्राप्त निर्देशों से सभी अधिकारियों को अवगत कराया गया। बैठक में उप संचालक कृषि श्री मोरिस नाथ के साथ जिला प्रबंधक नाबार्ड श्रीमती श्वेता सिंह, बीमा कंपनी के जिला प्रतिनिधि, विकासखंड प्रतिनिधि तथा अनुविभागीय कृषि अधिकारी उपस्थित थे।

किसानों को असली यूरिया एवं उर्वरकों की पहचान का दिया प्रशिक्षण

भोपाल। जिले के विकासखंड पाटन में किसानों को धोखाधड़ी से बचाने और फसल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, विभाग द्वारा व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ. इंदिरा त्रिपाठी ने किसानों को असली एवं नकली उर्वरकों की पहचान करने की सरल भौतिक विधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

डॉ त्रिपाठी ने यूरिया की पहचान के तरीके साझा करते हुए बताया कि इसके दाने सफेद, चमकदार और लगभग एक समान आकार के मोती की तरह गोल होते हैं। यदि इसे हथेली पर रखकर मुट्ठी बंद कर फूंक मारी जाए, तो यह हल्का गीला हो जाता है।

यूरिया के दाने खुले में रखने पर भी यह वातावरण की नमी अवशोषित कर लेते हैं। गर्म तवे पर डालने पर ये पिघल जाते हैं और आंच तेज करने पर अमोनिया गैस की तीखी गंध आती है। यूरिया पानी में पूरी तरह घुलनशील होता है और इसके घोल को छूने पर ठंडा महसूस होता है।

वहीं, डीएपी कठोर, दानेदार, भूरे, काले या बादामी रंग का होता है, जिसे नाखूनों से आसानी से नहीं तोड़ा जा सकता। हथेली पर मुट्ठी बंद करके फूंक मारने पर यह भी हल्का गीला हो जाता है। इसके दानों को हाथ में लेकर थोड़ा चूना मिलाकर रगड़ने पर एक तीक्ष्ण गंध आती है और तवे पर धीमी आंच में गर्म करने पर इसके दाने फूलकर बड़े हो जाते हैं।

अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन ने सुपर फास्फेट नरम, दानेदार, भूरे, काले या बादामी रंग का होता है, जो नाखूनों से आसानी से टूट जाता है। इसका पाउडर भूरे मटमैले रंग का होता है। पाउडर को खुले में रखने पर वातावरण की नमी अवशोषित कर गीला हो जाता है। सुपर फास्फेट के दाने तवे पर गर्म करने पर यथावत बने रहते हैं, ये डीएपी की तरह फूलते नहीं हैं।

म्यूरेट ऑफ पोटाश का स्वरूप सफेद/ईंट जैसे रंग का कणाकार, पिसा हुआ नमक तथा लाल मिर्च पाउडर के मिश्रण जैसा होता है।गीला करने पर इसके कण आपस में चिपकते नहीं हैं। पानी में घोलने पर पोटाश का लाल भाग पानी के ऊपर तैरने लगता है। खुले में रखने पर यह भी वातावरण की नमी सोखकर गीला हो जाता है।

एनपीके के दानों को तवे पर धीमी आंच में गर्म करने पर ये लाई (मुरमुरे) की तरह फूटकर बड़े हो जाते हैं। खुले में रखने पर ये भी वातावरण की नमी अवशोषित कर गीले हो जाते हैं। वहीं जिंक सल्फेट के दाने हल्के सफेद, पीले तथा भूरे बारीक कणों के आकार के होते हैं।डीएपी के घोल में यदि जिंक सल्फेट का घोल मिलाया जाए, तो थक्केदार घना अवशेष बनता है जो तली में जाकर बैठ जाता है।

अनुविभागीय कृषि अधिकारी डॉ इंदिरा त्रिपाठी ने किसानों से उर्वरक खरीदते समय पूरी सावधानी बरतने तथा इन सरल घरेलू और भौतिक तरीकों से उर्वरकों की शुद्धता की जांच करने की अपील की है। उन्होंने किसी भी प्रकार के संदेह या शिकायत होने पर तुरंत कृषि विभाग के अधिकारियों से संपर्क करने का आग्रह भी किसानों से किया है, ताकि नकली खाद बेचने वाले लोगों पर सख्त कार्रवाई की जा सके।

माँ शारदा महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित मैहर

जिला सतना (म.प्र.)

तलपट

(दिनांक 01.04.2025 से 31.03.2026 तक)

देनदारियां

क्र.	विवरण	प्रारम्भिक शेष	नामे	जमा	शेष
1	हिस्सा सदस्य	5633950.00	111700.00	367500.00	5889750.00
2	रक्षित निधि	9210420.00	0.00	945022.00	10155442.00
3	भवन निधि	2180506.95	0.00	264333.00	2444839.95
4	वाहन निधि	1380134.00	0.00	264333.00	1644467.00
5	बोनस निधि	300968.00	0.00	188809.00	489777.00
6	लाभांश निधि	2056572.00	545740.00	415870.00	1926702.00
7	कम्प्यूटर निधि	1319466.00	0.00	264333.00	1583799.00
8	संदिग्ध एवं डूबन्त निधि	6054946.00	0.00	0.00	6054946.00
9	ए.सी. क्रय निधि	177370.00	0.00	0.00	177370.00
10	मानक अस्तियां	142603.00	0.00	20000.00	162603.00
11	आयकर निधि	228271.00	0.00	100000.00	328271.00
12	कर्मचारी भविष्य निधि	70000.00	0.00	0.00	70000.00
13	प्रशिक्षण निधि	680612.00	2850.00	188809.00	866571.00
14	बचत अमानत व्यक्तिगत	82433537.54	72982746.66	79686285.86	89137076.74
15	बचत अमानत छात्रवृत्ति	11330.00	0.00	0.00	11330.00
16	बचत अमानत समितियां	39968.82	5741.90	6284.00	40510.92
17	बचत अमानत लोकलवाड़ी	1787152.10	1598870.00	2127176.00	2315458.10
18	चालू अमानत व्यक्तिगत	2670462.60	2400774.08	3466000.00	3735688.52
19	चालू अमानत लोकलवाडी	400777.10	69834.00	2124020.00	2454963.10
20	मुद्दती अमानत व्यक्तिगत	217775.00	38555.00	12830.00	192050.00
21	मुद्दती अमानत लोकलवाडी	10650.00	0.00	0.00	10650.00
22	दोहरी अमानत	35749773.00	24473041.00	26310993.00	37587725.00
23	आवर्ती / रेकरिंग अमानत	1720400.00	2276182.00	780182.00	224400.00

क्र.	विवरण	प्रारम्भिक शेष	नामे	जमा	अंतिम शेष
27	तारण ऋण खाता	1452215.00	231924.00	1681760.00	2379.00
28	ब्याज प्राप्तनीय लोन	5676909.00	1554975.00	129313.00	7102571.00
29	स्टेशनरी स्टाक	11711.25	12690.00	4467.45	19933.80
30	अंशपूंजी खाता अपेक्स बैंक भोपाल	100.00	0.00	0.00	100.00
31	अंशपूंजी CB सतना	100.00	0.00	0.00	100.00
32	टेलीफोन सुरक्षा निधि	5000.00	0.00	0.00	5000.00
33	लाइब्रेरी खाता	6885.00	0.00	0.00	6885.00
34	अग्रिम खाता कर्मचारी	2800.00	85600.00	84505.00	3895.00
35	डेड स्टाक खाता	545422.88	191754.54	184144.92	553032.50
36	बैंकर्स (TDS)	593206.00	348137.00	384972.00	556371.00
37	धोखाधड़ी खाता	0.00	0.00	0.00	0.00
38	विद्युत सिक्योरिटी	7300.00	0.00	0.00	7300.00
39	अग्रिम आयकर शुल्क	100000.00	50000.00	0.00	150000.00
40	जी.एस.टी. प्राप्तनीय	43876.30	6124.70	0.00	50001.00
41	आईजीएसटी	47073.41	42923.18	6209.80	83786.79
42	बोनस	0.00	5000.00	0.00	5000.00
43	ब्याज दिया बचत अमानत व्यक्तिगत	0.00	1663900.00	0.00	1663900.00
44	ब्याज दिया बचत अमानत समितियां	0.00	784.00	0.00	784.00
45	ब्याज दिया बचत अमानत लोकलबाडी	0.00	40116.00	0.00	40116.00
46	ब्याज दिया मुद्दती अमानत व्यक्तिगत	0.00	5061.00	0.00	5061.00
47	चुनाव खर्च	0.00	54730.00	0.00	54730.00
48	ब्याज दिया डबल डिपाजिट	0.00	2229881.00	58357.00	2171524.00
49	ब्याज दिया आवर्ती खाता	0.00	89142.00	5063.00	84079.00
50	वेतन कर्मचारी	0.00	1862857.00	0.00	1862857.00
51	यात्राभत्ता कर्मचारी	0.00	27610.00	0.00	27610.00
52	संचालक भत्ता	0.00	41650.00	0.00	41650.00
53	भवन किराया	0.00	254100.00	0.00	254100.00
54	टेलीफोन व्यय खाता	0.00	27666.00	0.00	27666.00

क्र.	विवरण	प्रारम्भिक शेष	नामे	जमा	अंतिम शेष
52	कमीशन खाता	0.00	0.00	351.00	351.00
53	अन्य आय	0.00	0.00	25319.50	25319.50
54	नाम मात्र सदस्य	0.00	800.00	800.00	0.00
55	प्रोसेसिंग फीस	0.00	0.00	189000.00	189000.00
56	SMS चार्ज	0.00	0.00	21846.42	21846.42
57	चेक चार्ज प्राप्त	0.00	1857.45	5602.00	3744.55
58	स्टेशनरी स्टाक	0.00	720.00	2435.00	1715.00
	कुल योग –	**173260293.15**	**107097074.96**	**134492483.55**	**200655701.74**

बी.एल. सिंह
मुख्य लेखापाल

मुख्य कार्यपालन अधिकारी

अंकेक्षक
(मे. पीयूषचंद्र मिश्रा एंड एसोसिएट्स)
चार्टर एकाउण्टेन्टस

गतवर्ष की राशि		विवरण	राशि	राशि
35749773.00		9. दोहरी अमानत	37587725.00	
1720400.00		10. आवर्ती / रेकरिंग अमानत	224400.00	
66804.00		11. कर्मचारी सिक्योरिटी	59219.00	
587550.26	4	**अन्य प्रावधान**		**554221.00**
306500.00		1. धोखाधड़ी प्रावधान	306500.00	
70000.00		2. साफ्टवेयर खाता	90000.00	
157721.00		3. डीमांड ड्राफ्ट अन्पेड	157721.00	
53329.26		4. ऋण अंतर प्रावधान	0.00	
6192438.00	5	**अन्य देनदारियाँ**		**7396739.00**
31640.00		5. ब्याज देय अमानते	23871.00	
0.00		6. सेण्ड्रीज खाता	8260.00	
219929.00		7. अंकेक्षण शुल्क	234929.00	
240976.00		8. ब्याज देय आवर्ती खाता	9936.00	
5676909.00		9. Overdue Int. Reserve	7102571.00	
20066.00		10.भविष्यनिधि कटौती	17172.00	
2918.00		11.टी.डी.एस. देय	0.00	
11610261.78		संचित लाभ	**12875284.83**	**12875284.83**
173260293.15		**महायोग –**	**188711524.16**	**188711524.16**

क्र.	विवरण	प्रारम्भिक शेष	नामे	जमा	अंतिम शेष
82	आडिट शुल्क (प्रावधान)	0.00	150000.00	0.00	150000.00
83	आयकर फण्ड (प्रावधान)	0.00	100000.00	0.00	100000.00
84	बोनस व्यय (विनियोजन)	0.00	188809.00	0.00	188809.00
85	रक्षित निधि (विनियोजन)	0.00	944047.00	0.00	944047.00
86	साफ्टवेयर खर्च (प्रावधान)	0.00	20000.00	0.00	20000.00
87	लाभांश निधि (विनियोजन)	0.00	396500.00	0.00	396500.00
88	भवन निधि (विनियोजन)	0.00	264333.00	0.00	264333.00
89	कम्प्यूटर निधि (विनियोजन)	0.00	264333.00	0.00	264333.00
90	वाहन निधि (विनियोजन)	0.00	264333.00	0.00	264333.00
91	प्रशिक्षण (विनियोजन)	0.00	188809.00	0.00	188809.00
92	संचित	0.00	1265023.05	0.00	1265023.05
	कुल योग –	**173260293.15**	**303943366.00**	**276547957.41**	**200655701.74**

बी.एल. सिंह
मुख्य लेखापाल

मुख्य कार्यपालन अधिकारी

अंकेक्षक
(मे. पीयूषचंद्र मिश्रा एंड एसोसिएट्स)
चार्टर एकाउण्टेन्टस

गतवर्ष की राशि		विवरण	राशि	राशि
1452215.00		4. तारण ऋण (सावधि)	2379.00	
3989389.18		5. कैश क्रेडिट	5594664.92	
5676909.00	3	**ब्याज प्राप्तनीय**		**7102571.00**
5676909.00		1. ब्याज प्राप्तनीय योग्य ऋण पर	7102571.00	
545422.88		**डेड स्टाक**		**553032.50**
545422.88	4	1. डेड स्टाक	553032.50	
200.00		**अंश क्रय**		**200.00**
100.00		म.प्र.राज्य सहकारी बैंक भोपाल	100.00	
100.00	5	जिला सह. केन्द्रीय बैंक सतना	100.00	
0.00		**काल मनी / टर्म मनी**		**0.00**
0.00		काल मनी / टर्म मनी SBI DFHI	0.00	
817851.96	6	**अन्य लेनदारी**		**883172.59**
6885.00		1. लाइब्रेरी	6885.00	
2800.00		2. अग्रिम खाता	3895.00	
100000.00		3. अग्रिम आयकर शुल्क	150000.00	
5000.00		4. टेलीफोन सिक्योटी	5000.00	
43876.30		5. जी.एस.टी. प्राप्तनीय	50001.00	
11711.25		6. स्टेशनरी स्टाक	19933.80	
0.00		7. धोखाधड़ी		
7300.00		8. विद्युत सिक्योरिटी	7300.00	
593206.00		9. बैकर्स टी.डी.यस.	556371.00	
47073.41		10.आईजीएसटी	83786.79	
173260293.15		**महायोग –**	**188711524.16**	**188711524.16**

बी.एल. सिंह
मुख्य लेखापाल

मुख्य कार्यपालन अधिकारी

अंकेक्षक
(मे. पीयूषचंद्र मिश्रा एंड एसोसिएट्स)
चार्टर एकाउण्टेन्टस

माँ शारदा महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित मैहर

जिला सतना (म.प्र.)
लाभ–हानि पत्रक
(31.03.2026 पर)

हानि

क्र.		विवरण	राशि
1		**ब्याज दिया अमानतों पर**	
	1.	बचत अमानत व्यक्तिगत	1663900.00
	2.	बचत अमानत समितियां	784.00
	3.	बचत अमानत लोकलवाडी	40116.00
	4.	मुद्दति अमानत व्यक्तिगत	5061.00
	5.	डबल डिपाजिट व्यक्तिगत	2171524.00
	6.	आवर्ती खाता	84079.00
2		**स्थापना व्यय खाता**	
	1.	वेतन कर्मचारी	1862857.00
	2.	यात्रा भत्ता कर्मचारी	27610.00
	3.	भत्ता संचालक	41650.00
	4.	भवन किराया	254100.00
	5.	टेलीफोन खाता	27666.00
	6.	पोस्टेज खाता	3550.00
	7.	विद्युत व्यय खाता	75772.08
	8.	टाइपिंग / फोटोकापी	51460.00
	9.	बीमा शुल्क (निक्षेप बीमा)	173368.62
	10.	स्वागत व्यय खाता	67209.00
	11.	आमसभा व्यय खाता	36750.00
	12.	लीगल/प्रोफेशनल शुल्क	28590.00
	13.	विविध व्यय खाता	43930.04
	14.	वाहन किराया खाता	73140.00
	15.	स्टेशनरी एवं प्रिंटिंग खाता	115526.00
	16.	कम्प्यूटर एवं S/W व्यय खाता	111659.74
	17.	पी.एफ. खर्च	10161.00
	18.	अन्य व्यय	29466.61

पंचायत ऑडिट प्रक्रिया को डिजिटल बनाने के लिए 'दृष्टि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म' लॉन्च

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पंचायत स्तर पर वित्तीय ऑडिट प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 'दृष्टि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म' का शुभारंभ किया। इसके साथ ही पंचायत दर्पण पोर्टल पर पेमेंट गेटवे सुविधा भी प्रारंभ की गई। मंत्रिपरिषद की बैठक के दौरान इन दोनों डिजिटल नवाचारों का शुभारंभ किया गया, जिससे पंचायतों में वित्तीय प्रबंधन एवं नागरिक सेवाओं में पारदर्शिता और सुशासन को नई गति मिलेगी।

'दृष्टि' ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भारत के महालेखाकार के निर्देशन में पंचायती राज संचालनालय द्वारा एनआईसी के तकनीकी सहयोग से विकसित किया गया है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑडिटर अपने कार्यालय अथवा घर से ही किसी भी ग्राम पंचायत के आय-व्यय संबंधी अभिलेखों का ऑनलाइन परीक्षण कर सकेंगे। इससे प्रदेश की 23,011 ग्राम पंचायतों की वित्तीय ऑडिट प्रक्रिया अधिक तेज, सरल और पारदर्शी होगी तथा सीमित संसाधनों में समयबद्ध ऑडिट सुनिश्चित किया जा सकेगा।

इसी अवसर पर पंचायत दर्पण पोर्टल पर शुरू की गई ऑनलाइन पेमेंट गेटवे सुविधा के माध्यम से अब पंचायतें विभिन्न सेवाओं के बिल ऑनलाइन जारी कर सकेंगी। नागरिक घर बैठे डिजिटल माध्यम से भुगतान कर सकेंगे तथा तत्काल ऑनलाइन रसीद भी प्राप्त होगी। इस व्यवस्था से समय और श्रम की बचत होने के साथ पंचायतों के वित्तीय अभिलेख स्वतः तैयार होंगे तथा सेवाओं के समयबद्ध एवं पारदर्शी निस्तारण को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डिजिटल तकनीक आधारित इन नवाचारों से पंचायतों की कार्यप्रणाली अधिक जवाबदेह, पारदर्शी एवं नागरिक हितैषी बनेगी तथा ग्रामीण प्रशासन में सुशासन को नई मजबूती मिलेगी।

सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र, नौगांव द्वारा टीकमगढ़ जिले में सहकारी शिक्षा प्रशिक्षण आयोजित

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल के सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र, नौगांव में बहुउद्देशीय कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित, एरौरा, जिला टीकमगढ़ में एक दिवसीय सहकारी शिक्षा एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों एवं समिति सदस्यों को सहकारी व्यवसायों के विविध आयामों से परिचित कराना तथा स्वरोजगार एवं आयवृद्धि के नवीन अवसरों के प्रति जागरूक करना था। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मुर्गी पालन, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, सीएचसीडीएस (CHCDS) हस्तशिल्प योजना सहित विभिन्न सहकारी गतिविधियों एवं व्यवसायों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही सहकारिता के माध्यम से रोजगार सृजन एवं ग्रामीण आर्थिक विकास में सहकारी संस्थाओं की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम में समिति प्रबंधक श्री रमेश कुमार गोस्वामी, लेखापाल श्री मनोज कुमार गोस्वामी, सेल्समैन श्री राजाराम यादव, सेल्समैन श्री गिरिजा शंकर लोधी, कम्प्यूटर ऑपरेटर श्री अशोक गोस्वामी, चौकीदार श्री आनंदराम विश्वकर्मा सहित समिति के समस्त कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में कृषक सदस्य उपस्थित रहे।

प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता करते हुए विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थितजनों के सहयोग एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

माँ शारदा महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित मैहर

अंकेक्षण प्रमाण–पत्र

मैं निम्न हस्ताक्षरकर्ता अंकेक्षक प्रमाणित करता हूं कि माँ शारदा महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्या. मैहर के पत्र क्रमांक/310/2025-26 मैहर दिनांक 14.11.2025 के पालन में माँ शारदा महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित, मैहर का वर्ष 2025-2026 का अंकेक्षण जिसका पंजीयन क्र./जे.आर./आर.डब्ल्यू.ए./84 दि. 15.05.1998 है, जो कि तहसील मुख्यालय मैहर में स्थित हैं, जिसकी तहसील मैहर जिला सतना हैं, पंजीयक सहकारी संस्थायें म.प्र. भोपाल द्वारा प्रस्तावित विधि से पूर्ण किया गया।

बैंक का पंजीयन प्रमाण पत्र विधिवत सही है, तथा बैंक द्वारा प्रमाणित सत्यप्रतिलिपि रखा गया है।

मेरे द्वारा मां शारदा महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित, मैहर का 31.03.2026 का स्थिति विवरण पत्रक तथा लाभ-हानि पत्रक जो कि उक्त दिनांक को समाप्त होने वाले वर्ष के लेखा से संबंध है, की जांच की गई। यह स्थिति विवरण पत्रक लेखों से बनाये गये है।

अतः मेरे मत से

1. बैंक का व्यवसाय आक्षेप सूची को छोड़कर आमतौर से विधिवत तथा ईमानदारी से बैंक के उपनियमों के प्रावधानों के अनुसार तथा म.प्र. सहकारी समितियां अधिनियम तथा उनके अंतर्गत बने नियम जो प्रभावशील हैं, के अंतर्गत तथा पंजीयक सहकारी संस्थायें म.प्र. के प्रशासकीय निर्देशों के अनुसार जो कि समय समय पर भेजे गये तथा बैंकिंग रेग्युलेशन एक्ट की आवश्यकता के अनुरूप किया गया है।
2. बैंक का स्थिति विवरण पत्रक पूर्ण रूप से संलग्न है, इसमें आवश्यक सभी जानकारी जो कि बैंक के व्यवहार एवं स्थिति को दर्शाते, हैं, का समावेश किया गया है। मुझे जो जानकारी बैंक ने स्थिति के संबंध में बताई गई तथा जो जानकारी बैंक के खातों में दर्शाई गई व दिखाई देती है, वह सब इसमें परिलक्षित होती है।
3. मेरे द्वारा जब भी कोई जानकारी या स्पष्टीकरण चाहा गया यद्यपि वह समय पर उपलब्ध कराई गई है, जानकारी अंकेक्षण के उद्देश्य से पर्याप्त है।
4. बैंक के जो व्यवहार मेरी जानकारी में आये सभी बैंक की कार्यसीमा में किये गये है।
5. बैंक का लाभ हानि पत्रक भी सही लाभ हानि का चित्रण प्रस्तुत करता है, जो अंकेक्षण अवधि का बैंक द्वारा बनाया गया है।

महिला सहकारी संस्थाओं के गठन की दिशा में शीघ्र होगी व्यापक पहल : मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग

सहकार भारती के महिला सहकारिता सम्मेलन में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता पर दिया गया विशेष बल

भोपाल। सहकार भारती द्वारा भोपाल स्थित राज्य स्तरीय पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में आयोजित महिला सहकारिता सम्मेलन में मध्यप्रदेश के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने सहभागिता करते हुए महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में सहकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सारंग ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकारिता आज देश के विकास की मुख्यधारा का सशक्त आधार बन चुकी है। सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल रही है तथा किसानों, महिलाओं और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए शीघ्र ही महिला सहकारी संस्थाओं के गठन की दिशा में व्यापक पहल करेगी। इस अभिनव पहल से प्रदेश की मातृशक्ति को रोजगार, स्वरोजगार, उद्यमिता एवं नेतृत्व के नए अवसर प्राप्त होंगे तथा महिला सशक्तिकरण को नई गति मिलेगी।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक विकास का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का भी प्रभावी साधन है। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से सहकारिता आंदोलन और अधिक सशक्त होगा तथा प्रदेश के समग्र विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित होगी।

सम्मेलन में सहकारिता से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया तथा महिलाओं से सहकारी संस्थाओं के माध्यम से अधिकाधिक जुड़कर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में सहकार भारती के अधिकारी, सहकारिता विभाग के अधिकारी, महिला प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में महिला सहकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

साइबर सुरक्षित भारत अभियान के अंतर्गत सहकारी संस्थाओं के कर्मचारियों को दिया गया साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण

निवाड़ी जिले की चार बैंक शाखाओं में आयोजित हुए जागरूकता कार्यक्रम

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल द्वारा "साइबर सुरक्षित भारत अभियान" के अंतर्गत प्रदेश की सहकारी संस्थाओं में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सहकारी प्रशिक्षण केंद्र, नौगांव द्वारा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, निवाड़ी की टहरका, पृथ्वीपुर एवं जेरोन शाखाओं में जुलाई 2026 के दौरान एक दिवसीय साइबर जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में बैंक शाखाओं एवं उनसे संबद्ध प्राथमिक सहकारी समितियों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को साइबर अपराधों के विभिन्न प्रकार, साइबर ठगी के तरीके, ऑनलाइन सुरक्षा के उपाय, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (आईटी एक्ट), डिजिटल सुरक्षा एवं कानूनी सहायता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर सुरक्षा से संबंधित उपयोगी पाठ्य सामग्री का भी वितरण किया गया।

कार्यक्रम में सहकारी प्रशिक्षण केंद्र, नौगांव के प्राचार्य श्री शिरीष पुरोहित ने प्रशिक्षण प्रदान करते हुए डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला तथा बैंकिंग लेन-देन के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन केंद्र के प्रशिक्षक श्री हृदेश कुमार रॉय द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करते हुए डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित भोपाल की ओर से प्रकाशक, मुद्रक गणेश प्रसाद मांझी द्वारा मध्यप्रदेश राज्य सहकारी मुद्रणालय परिमित, भोपाल से मुद्रित एवं ई-8/77, शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रबंध सम्पादक : ऋतुराज रंजन, संपादक : गणेश प्रसाद मांझी
डॉक पंजीयन क्रमांक : म.प्र./भोपाल/357/2021-23 मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967, फोन : 2926159, 2926160, इस अंक में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं जिनमें संपादकीय सहमति आवश्यक नहीं है।